म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

अंग्रेजी

हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी

# शब्दों से खेलें

भारत में विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid from the British people

**एस.आर.मोहन्ती**
**अपर मुख्य सचिव**

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
**मध्यप्रदेश शासन**
**स्कूल शिक्षा विभाग**
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

# संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

**दीप्ति गौड मुकर्जी**
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेवसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

## संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

**शिक्षा का अधिकार**

**सर्व शिक्षा अभियान**
**सब पढ़ें सब बढ़ें**

## टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

| |
|---|
| **मार्गदर्शन एवं समीक्षा :** |
| श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी |
| डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी |
| डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल |
| डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| **स्थानीयकरण :** |
| **भाषा एवं साक्षरता** |
| डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना |
| श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़ |
| डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़ |
| **अंग्रेजी** |
| श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल |
| श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर |
| श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल |
| **गणित** |
| श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा |
| डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन |
| डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना |
| डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल |
| श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल |
| **विज्ञान** |
| डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल |
| डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश |
| डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल |
| श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल |
| श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल |

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी - केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त, सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

*TESS-India OER* भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीयकरण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

**वीडियों संसाधन**

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

*TESS-India* के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है*)*। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

*संस्करण 2.0* SE11v1

Madhya Pradesh

*तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है:* http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

## यह इकाई किस बारे में है

मेरे विद्यार्थी कक्षा 9 में हैं लेकिन उनमें से कई को पाठ्यपुस्तक के अध्यायों को समझने में कठिनाई होती है। वे बहुत सारे शब्दों को नहीं समझते हैं, और याद नहीं कर पाते हैं। उन्हें अपनी अंग्रेजी की शब्दावली सुधारने की जरूरत है लेकिन मैं निश्चित नहीं हूँ कि मैं कैसे उनकी मदद करूँ।

यह इकाई इस बारे में है कि आप अंग्रेजी शब्दावली सीखने, उसका प्रयोग करने और उसे याद रखने में अपने विद्यार्थियों की मदद कैसे कर सकते हैं। कई विद्यार्थियों को, यहाँ तक कि कक्षा 9 या 10 में भी पाठ्यपुस्तक के अध्यायों के साथ कठिनाई होती है। वे कई शब्दों को नहीं समझते और उन्हें अनुवाद कर देने के बाद भी विद्यार्थियों के लिए उनका अर्थ याद रखना कठिन होता है।

यह देखा गया है कि विद्यार्थी भाषाओं को तब सबसे अच्छे ढंग से सीखते हैं जब वे उन्हें संदर्भ में अनुभव करते हैं और भाषा का प्रयोग बोलने और लिखने में स्वतंत्र रूप से करते हैं। As the Position Paper of the National Focus Group on Teaching of English (National Council of Educational Research and Training, 2006) states:

> Research has also shown us that greater gains accrue when language instruction moves away from the traditional approach of learning definitions of words (the dictionary approach) to an enriched approach, which encourages associations with other words and contexts (the encyclopaedia approach).

इसका मतलब यह है कि यह आवश्यक नहीं है कि पाठ को शब्दशः अनुवाद करने या शब्दों की सूचियों को याद कर लेने से विद्यार्थियों को ऐसी नई शब्दावली सीखने में मदद मिलेगी जिसका प्रयोग वे अंग्रेजी में बोलते और लिखते समय कर सकते हैं। विद्यार्थियों को नए शब्दों से सामना होने पर उनके अर्थ का अनुमान लगाने के लिए कार्यनीतियों का विकास करना होगा। आप ऐसा करने में उनकी मदद कर सकते हैं:

- उन्हें पहले से ज्ञात शब्दों के साथ समानताएं दिखाकर
- शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने में तस्वीरों का उपयोग करके विद्यार्थियों की मदद करके
- मूकाभिनय (माइमिंग) करके।

एक बार कोई नया शब्द या वाक्यांश सीख लेने का मतलब यह नहीं है कि विद्यार्थी उसे याद रखेगा और उसका प्रयोग कर सकेगा। यही कारण है कि विद्यार्थियों को यह सीखने के लिए सहायता की भी जरूरत पड़ेगी कि नई शब्दावली को कैसे रिकार्ड करें और बार-बार उसकी समीक्षा करें। यदि विद्यार्थी शब्दावली के अपने ज्ञान को सुधार लेते हैं तो वे अपने पाठों को अधिक आसानी से समझ सकेंगे और अंग्रेजी में बेहतर ढंग से लिखेंगे और बोलेंगे जिसके परिणामस्वरूप वे परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

इस इकाई में दी गई तकनीकें आपके विद्यार्थियों की ऐसे स्वतंत्र भाषा के विद्यार्थी बनने में मदद करती हैं जो नई शब्दावली को खुद अपने बलबूते पर समझने, रिकार्ड करने और सीखने में सक्षम होते हैं।

## जब आप इस इकाई की गतिविधियाँ आजमाएं, तब याद रखें कि:

- हो सकता है पहली बार करते समय तकनीकें सफल न हों – इस बारे में सोचें कि पाठ में क्या हुआ था, समायोजन करें और दोबारा प्रयास करें।
- जब आप नई तकनीक आजमाते हैं तो हो सकता है विद्यार्थी न समझ पाएं कि क्या हो रहा है – उन्हें यह बात समझाएं और गतिविधि के प्रयोजन को स्पष्ट करें
- इस इकाई की गतिविधियों का प्रयोग आप अपनी सामान्य कक्षाओं के भाग के रूप में कर सकते हैं – यह आवश्यक नहीं है कि वे पूरी कक्षा का समय ले लें, या आपकी कक्षा या आपके लिए अतिरिक्त काम बन जाएं।

अपनी कक्षा को प्रोत्साहक स्थान बनाएं। ऐसा स्थान जहाँ आप और आपके विद्यार्थी आलोचना के डर के बिना चीजों को करने का प्रयास कर सकते हैं।

## इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- अंग्रेजी भाषा की नवीन शब्दावली को संदर्भ से समझने में विद्यार्थियों की मदद कैसे करें।
- अंग्रेजी शब्दावली याद रखने में विद्यार्थियों की मदद करने के तरीके उदाहरण के लिए शब्दावली लॉग का प्रयोग करते हुए।
- नई शब्दावली को रिकार्ड करने और सीखने में आपके विद्यार्थियों की मदद करने के लिए शब्दकोशों का प्रभावी प्रयोग।

## 1 अध्यायों की नवीन अंग्रेजी शब्दावली समझने में विद्यार्थियों की सहायता करना

हाई स्कूल स्तर की अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तकों के अध्याय कई विद्यार्थियों के लिए कठिन हो सकते हैं। इसके कारणों में से एक यह है कि उनमें बहुत सारे ऐसे शब्द और वाक्यांश होते हैं जिन्हें विद्यार्थी नहीं जानते हैं। एक शिक्षक के रूप में आपकी भूमिका अपने विद्यार्थियों को निरुत्साहित किए बिना इन शब्दों को समझने में उनकी मदद करना है।

**गतिविधि 1: अज्ञात शब्दों से परिचित कराना**

इस गतिविधि को आप स्वयं या किसी साथी शिक्षक के साथ कर सकते हैं।

'A Visit to Cambridge' (a chapter from the NCERT Class VIII textbook *Honeydew*): से यह अनुच्छेद पढ़ें।

> Cambridge was my metaphor for England, and it was strange that when I left it had become altogether something else, because I had met Stephen Hawking there. It was on a walking tour through Cambridge that the guide mentioned Stephen Hawking, 'poor man, who is quite disabled now, though he is a worthy successor to Issac Newton, whose Chair he has at the university.' And I started, because I had quite forgotten that this most brilliant and completely paralysed astrophysicist, the author of *A Brief History of Time*, one of the biggest bestsellers ever, lived here.

अब नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें। हो सके तो अपने किसी साथी शिक्षक के साथ उन पर चर्चा करें:

- क्या आपके विचार से कक्षा 8 का यह पाठ आपके माध्यमिक अंग्रेजी विद्यार्थियों के लिए समझने में आसान होगा?
- आपके विचार से आपके विद्यार्थी किन शब्दों को नहीं समझ सकेंगे? उन्हें रेखांकित करें या अपनी नोटबुक में उन्हें नोट करें।
- इन शब्दों और इस गद्यांश को समझने में अपने विद्यार्थियों की मदद आप कैसे कर सकते हैं?

यह गद्यांश कुछ माध्यमिक कक्षाओं के अंग्रेजी के विद्यार्थियों के लिए पढ़ने में काफी कठिन हो सकता है क्योंकि इसमें कुछ कठिन शब्दावली और व्याकरण की जटिल संरचनाएं हैं। आपके विद्यार्थियों के स्तर पर निर्भर करते हुए कुछ विद्यार्थियों को 'disabled' शब्द का पता होगा जबकि अन्य विद्यार्थियों को नहीं। हो सकता है कुछ को 'worthy successor' या 'completely paralysed' वाक्यांश समझ में न आएं।

अज्ञात शब्दों को समझने में आपके विद्यार्थियों की मदद करने का एक सरल तरीका है उन्हें अपने घर की भाषा में अनुवाद करना। यह उपयोगी हो सकता है, लेकिन अनुवाद करने के कुछ नुकसान भी हैं:

- यदि आप किसी गद्यांश के सभी शब्दों को अनुवाद करते हैं, तो इसमें बहुत सारा समय लगेगा। कुछ विद्यार्थी ऊब जाएंगे और आप जो पाठ पढ़ रहे हैं उसमें दिलचस्पी खो देंगे।
- लेखन के एक हिस्से को शब्दशः अनुवाद करने से विद्यार्थियों को अंग्रेजी वाक्यांशों और आम तौर पर एक साथ आने वाले शब्दों के समूहों को सीखने का अवसर नहीं मिलेगा।
- किसी बात को घर की भाषा में अनुवाद करने से विद्यार्थियों को नए शब्दावली शब्दों के अर्थ समझने में मदद मिलती है, लेकिन इससे उन्हें उन शब्दों को याद रखने और बोलने तथा लिखने में उनका प्रयोग करने में हमेशा ही मदद नहीं मिलती है।
- यदि शब्दों का अनुवाद करने के लिए विद्यार्थी सदैव आप पर निर्भर रहते हैं तो वे अपने स्वयं द्वारा अंग्रेजी पढ़ते या सुनते समय शब्दों को समझने के लिए कार्यनीतियों का विकास नहीं करेंगे।

गतिविधि 2 में आप देखेंगे कि अध्यायों में नई शब्दावली का सामना करने में अपने विद्यार्थियों की मदद आप कैसे कर सकते हैं। यह तकनीक पाठ्यपुस्तक में दिए गए पठनों को समझने और नई शब्दावली सीखने के लिए कार्यनीतियाँ विकसित करने में आपके विद्यार्थियों की मदद करेगी। वे अधिक आत्मनिर्भर बनने में भी छात्रों की मदद करेंगी ताकि वे कक्षा के बाहर या अपने भावी जीवन में अपने आप सीखने में सक्षम हो सकें।

## गतिविधि 2: पाठ की अज्ञात शब्दावली को समझने में अपने विद्यार्थियों की मदद करना

यह गतिविधि आप अपनी कक्षा में आजमा सकते हैं। यह विद्यार्थियों को उनके द्वारा पढ़े जा रहे पाठ की नई शब्दावली के अर्थ का अनुमान लगाने में सहायता करती है। इससे उन्हें यह निश्चित करने में भी मदद मिलती है कि उन्हें किन शब्दों को सक्रिय रूप से सीखने में अधिक समय देना चाहिए। आप इस गतिविधि का प्रयोग किसी भी पाठ और किसी भी कक्षा या किसी भी क्षमता वाले विद्यार्थियों के साथ कर सकते हैं क्योंकि वे विभिन्न शब्दों को चुन और सीख सकते हैं।

1. अपनी पाठ्यपुस्तक से कोई अध्याय चुनें जिसमें ऐसी शब्दावली हो जो आपके विचार से विद्यार्थियों को पता नहीं है। यह आपके द्वारा पढ़ाया जाने वाला अगला अध्याय हो सकता है, जिसमें गद्य और कविताएं शामिल हैं। यदि पाठ लंबा है, तो उसमें से कुछ पैराग्राफ या पद्यांश चुनें।
2. अपने विद्यार्थियों से पाठ को पढ़ने को कहें। वे चुप रहकर या ऊँची आवाज़ में पढ़ सकते हैं।
3. जब आपके विद्यार्थी पढ़ रहे हों तब ब्लैकबोर्ड पर तालिका 1 जैसी कोई तालिका बनाएं। जब वे काम पूरा कर लें तब उनसे उसे अपनी कॉपियों में उतारने को कहें।

   *तालिका **1** नवीन शब्दावली के लिए रिक्त तालिका।*

| वे शब्द जिन्हें आप नहीं जानते हैं लेकिन अनुमान लगा सकते हैं | वे शब्द जिन्हें आप नहीं जानते हैं और अनुमान भी नहीं लगा सकते |
|---|---|
| | |

4. अपने विद्यार्थियों से यह गतिविधि स्वयं अपने बलबूते पर करने को कहने से पहले कक्षा से प्रत्येक कॉलम के लिए एक शब्द का उदाहरण देने को कहें और उसे उसमें भरें। इस तरह आप सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे समझते हैं कि उन्हें क्या करना है।
5. विद्यार्थियों से संबंधित कॉलमों में शब्दों को नोट करने को कहें। उन्हें यह गतिविधि वैयक्तिक रूप से करनी चाहिए। इसके लिए एक समय सीमा तय करें (जैसे दस मिनट) या शब्दों की कोई अधिकतम संख्या देने के लिए कहें (जैसे दस)।
6. जब समय समाप्त हो जाय तब विद्यार्थियों से किसी साथी के साथ काम करने और अपने पहले कॉलम के उत्तरों की तुलना करने को कहें। उन्हें एक दूसरे को बताना चाहिए कि उन्होंने अर्थ का अनुमान कैसे लगाया।
7. कुछ मिनट बाद चर्चा को रोक दें। अब विभिन्न जोड़ियों से कक्षा के साथ वे शब्द साझा करने को कहें जो उन्होंने पहले कॉलम में लिखे थे और बताने को कहें कि उन्होंने अर्थ का अनुमान कैसे लगाया। वे यह काम अपने घर की भाषा में कर सकते हैं।
8. अब विद्यार्थियों से दूसरे कॉलम के वे शब्द पढ़ने को कहें जिनका अनुमान वे नहीं लगा सके थे। इन्हें बोर्ड पर लिखें और शब्दों को ऊँची आवाज में बोलकर और कक्षा को आपके बाद दोहराने को कहकर इन शब्दों के उच्चारण का अभ्यास करने में उनकी मदद करें। इन शब्दों का अर्थ या अनुवाद प्रदान करने की बजाय अर्थ का अनुमान लगाने में विद्यार्थियों की मदद करने का प्रयास करें।
9. आप अनुमान करने में उनकी मदद निम्नलिखित जैसे प्रश्न पूछकर कर सकते हैं:

> What kind of word is this? Is it a verb? Is it a noun?
>
> What are the words before it and after it?
>
> The topic of the lesson is [say what the topic is]. This word is related to that.
>
> Can you see a word you know in this word? Is there a word you recognise in ‘disabled’? Can you see that the word ‘able’ is in there?

10. अपने विद्यार्थियों से वे दस शब्द चुनने और याद करने को कहें जो उन्हें सबसे उपयोगी लगते हैं। आप चाहें तो उनसे पाठ से कुछ अतिरिक्त विशिष्ट शब्द सीखने को कह सकते हैं। इन अतिरिक्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें, कक्षा के साथ बोलते हुए उनका अभ्यास करें और विद्यार्थियों से उन्हें शब्दों की सूची में जोड़ने को कहने से पहले उनके अर्थ पर चर्चा करें।

**विचार कीजिए**

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी साथी शिक्षक के साथ करें।

- क्या विद्यार्थी कुछ शब्दों का अनुमान लगाने में सक्षम थे? किन शब्दों का अनुमान लगाने में उन्हें कठिनाई हुई?
- इन शब्दों का अनुमान लगाने में आप उनकी मदद कैसे कर सकते हैं? सोचें कि भविष्य के पाठों में उनकी मदद करने के लिए आप क्या करेंगे।
- विद्यार्थियों ने किन शब्दों को सीखने का चुनाव किया? क्या आप सहमत हैं कि वे उपयोगी हैं?

विद्यार्थी अभ्यास करके अज्ञात शब्दों के अर्थों का बेहतर अनुमान लगाने में सक्षम हो जाएंगे। आपको:

- उन्हें यह साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए कि उन्होंने अर्थों का अनुमान कैसे लगाया ताकि वे कार्यनीतियों का निर्माण कर सकें
- नए शब्दों और उन्हें पहले से ज्ञात शब्दों के बीच संबंध स्थापित करने में उनकी मदद करें
- मूल शब्दों, उपसर्गों (prefix) और प्रत्ययों (suffix) को पहचानने में उनकी मदद करें जो उन्हें अर्थों का अनुमान लगाने में मदद करते हैं (see Kinsella et al., undated)।

अपनी कक्षा के साथ यह चर्चा करना भी उपयोगी हो सकता है कि शब्दों को क्या 'उपयोगी' बनाता है, । कुछ शब्द परीक्षाओं के लिए उपयोगी हो सकते हैं, जबकि अन्य किसी ऐसे विषय से संबंधित हो सकते हैं जिसमें उन्हें दिलचस्पी है।

अपने विद्यार्थियों की संदर्भ से शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने में मदद करने के तरीकों के बारे में अधिक विचार आपको इस इकाई में बाद में मिलेंगे। संसाधन 1 में शब्दावली सीखने की अतिरिक्त गतिविधियाँ भी दी गई हैं। संसाधन 2 में भाषा के उदाहरण शामिल हैं जो इस प्रकार की गतिविधि करने में आपकी मदद करेंगे।

केस–स्टडी 1रू अमीत को पाठ्यपुस्तक के एक अध्याय के नवीन शब्दों को समझने के एक नए तरीके का अनुभव होता है

*अमित एक सरकारी हाई स्कूल में कक्षा 8 का विद्यार्थी है। उसे अंग्रेजी कठिन लगती है, और वह पाठ के कई शब्द समझ नहीं पाता है। उसकी शिक्षिका ने हाल ही में एक नया तरीका इस्तेमाल किया है और उन्होंने पाया है कि इससे उसे मदद मिली है।*

मैं प्राथमिक स्कूल की कई कक्षाओं में उपस्थित नहीं था और कक्षा 8 के अंग्रेजी अध्याय मुझे और मेरे कई सहपाठियों को भी कठिन लगते हैं। मेरी शिक्षिका पाठों को ऊँची आवाज़ में पढ़कर और उनका अनुवाद करके हमारी मदद करने का भरसक प्रयत्न करती हैं। इससे मुझे पाठ को समझने में तो मदद मिलती है, लेकिन मुझे पाठ के कई नए शब्द वास्तव में याद नहीं रहते।

हाल ही में हमारी शिक्षिका ने हमारी अंग्रेजी कक्षा में कुछ अलग किया। हमें अंग्रेजी वैज्ञानिक Stephen Hawking के बारे में एक अध्याय पढ़ना था [देखं संसाधन 3]। शिक्षिका ने हमें उसके बारे में बताया और फिर उन्होंने हमसे अध्याय के पहले चार पैराग्राफ को चुप रहकर पढ़ने को कहा। मुझे कहना है कि जब मैंने अध्याय पढ़ा तो मुझे कुछ अधिक समझ में नहीं आया। फिर उन्होंने हमसे अध्याय के बारे में कुछ प्रश्न पूछे। मैंने उत्तर सुने और जाना कि लेखक एक भारतीय विकलांग व्यक्ति है। तो 'disabled' का अर्थ यह था!

हमारी शिक्षिका ने हमें वे शब्द जिन्हें हम नहीं जानते और अनुमान लगा सकते हैं, तथा वे शब्द जिन्हें हम नहीं जानते और अनुमान नहीं लगा सकते, लिखने को कहा। ऐसे ढेर सारे शब्द थे जिन्हें मैं नहीं जानता था जैसे 'metaphor', 'strange' और 'altogether' – और मैं बहुत सारों का अनुमान नहीं लगा सकता था। फिर उन्होंने हमसे अपने शब्दों को छोटे समूहों में साझा करके यह देखने को कहा कि क्या हम एक दूसरे की अर्थों से मदद कर सकते हैं। मुझे थोड़ी शर्मिंदगी हुई क्योंकि मेरे पास इतने सारे शब्द थे लेकिन मेरे सहपाठी ने उनमें से कुछ को समझने में मेरी मदद की। और मेरे मित्रों में से एक ने मुझे दिखाया कि उसने 'bestseller' शब्द के अर्थ का अनुमान लगाने में कैसे सफलता प्राप्त की। उसने मुझे बताया कि वह शब्द *A Brief History of Time* नामक किताब का वर्णन करता है इसलिए इसे किताबों के विषय से संबंधित कोई शब्द होना चाहिए। उसने पाया कि 'seller' शब्द 'to sell' क्रिया से आया है। मुझे यह बात ठीक लगी। मैंने सचमुच पहले कभी किसी शब्द के अर्थ का अनुमान लगाने की कोशिश नहीं की थी।

इसके बाद हमारी शिक्षिका ने पूछा कि क्या ऐसे कोई शब्द हैं जो हम नहीं जानते हैं और उन्होंने हमें वे शब्द समझाए। उन्होंने शब्दों को समझाने के लिए कई भिन्न तरीकों का प्रयोग किया। उदाहरण के लिए 'tear' शब्द का अर्थ हमें दिखाने के लिए उन्होंने कागज के एक टुकड़े को कई छोटे टुकड़ों में फाड़ा। फिर उन्होंने हमसे अगली कक्षा से पहले घर पर सीखने के लिए अध्याय से दस शब्दों की सूची लिखने को कहा। मैं उन्हें घर ले गया और अपने बड़े भाई से मेरी मदद करने को कहा। वह कक्षा 10 में है और उसने शब्दों के बारे में मेरी परीक्षा ली। अगली कक्षा में, मैं इनमें से कई शब्दों को याद कर सकता था – विशेष तौर पर 'disabled', 'bestseller' और 'tear' – और मुझे गर्व का अनुभव हुआ।

## 2 नए शब्द सीखने और समझने में विद्यार्थियों की मदद करने के लिए विभिन्न तकनीकों का प्रयोग करना

ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप नए शब्द सीखने में विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं। आप शब्दों का अनुवाद कर सकते हैं, और आप विद्यार्थियों से अर्थों का अनुमान लगाने को कह सकते हैं। शुरू में, विद्यार्थियों को शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने में कठिनाई हो सकती है। आप उन्हें दिखा सकते हैं कि अंग्रेजी के अपने वर्तमान ज्ञान, अध्याय के अन्य शब्दों के बारे में उनकी समझ, और दुनिया के बारे में उनकी जानकारी का प्रयोग करके वे कैसे अर्थों का अनुमान लगा सकते हैं। 'A`Visit to Cambridge' से यह वाक्य पढ़ें (संसाधन 3 देखें):

> There was his assistant on the line and I told him I had come in a wheelchair from India (perhaps he thought I had propelled myself all the way) to write about my travels in Britain.

विद्यार्थी 'wheelchair' शब्द के अर्थ का अनुमान लगा सकते हैं यदि वे 'wheel' और 'chair' शब्दों को समझते हैं और दुनिया के बारे में अपने ज्ञान का प्रयोग करते हैं – वे जानते हैं कि कोई विकलांग व्यक्ति व्हीलचेयर का प्रयोग करता है और उन्होंने व्हीलचेयर देखी होगी।

वे 'propelled' शब्द का भी अच्छा अनुमान लगा सकते हैं यदि वे 'wheelchair' शब्द को और अध्याय के विषय को समझ लेते हैं। वे देख सकते हैं कि यह एक क्रिया है। इसे past perfect tense के हिस्से के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और यह '–ed'से समाप्त होता है। जब वे जान लेते हैं कि वह एक क्रिया है तो वे अनुमान लगा सकते हैं कि वह गतिविधि से संबंधित है। यह समझकर कि कोई व्यक्ति व्हीलचेयर का प्रयोग कैसे करता है वे शब्द के सही अर्थ का अनुमान कर सकते हैं।

**विचार कीजिए**

- क्या आप कोई अन्य तरीके सोच सकते हैं जिनसे आप 'wheelchair' और 'propel' शब्दों को समझने में विद्यार्थियों की मदद कर सकतेहैं? यदि संभव हो, तो किसी साथी शिक्षक के साथ उन पर चर्चा करें और अपने विचार नोट करें।

जिन अन्य तरीकों से आप नए शब्दों को समझने में विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं उनमें शामिल हैं:

- किसी चित्र या वास्तविक वस्तु का प्रयोग करना**:** आप बोर्ड पर व्हीलचेयर का चित्र बना सकते हैं, पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र का प्रयोग कर सकते हैं या किसी पत्रिका या अखबार से चित्र काट कर निकाल सकते हैं।
- मूकाभिनय या इशारे का प्रयोग करना**:** आप किसी व्हीलचेयर में बैठकर स्वयं को आगे बढ़ाने वाले व्यक्ति का मूकाभिनय कर सकते हैं और विद्यार्थियों से यह बताने को कह सकते हैं कि उनकी घर की भाषा में वह शब्द क्या है ताकि आप जाँच सकें कि वे समझ रहे हैं।
- अलग-अलग संदर्भों में शब्दों के उदाहरण देना और विद्यार्थियों से अनुमान लगाने को कहना**:** उदाहरण के लिए आप कह सकते हैं। 'नाव को पानी पर से हवा ने आगे बढ़ाया।'
- स्पष्ट करना कि शब्द का अंग्रेजी में क्या अर्थ है**:** प्रश्न पूछकर सुनिश्चित करें कि आपके विद्यार्थी अर्थ को समझते हैं।

If a person can't walk, they use a special chair to move around. What does the chair have?

Ma'am, the chair has wheels.

That's right, it has wheels. Can you think of anything else that has wheels?

A bicycle and a bus have wheels.

याद रखें कि हर बार जब आपके विद्यार्थियों को कोई नया शब्द सीखना हो तब आपको इन सभी तकनीकों का प्रयोग नहीं करना है! अलग-अलग तकनीकें अलग-अलग शब्दों के लिए उपयुक्त होती हैं। उदाहरण के लिए, किसी हरकत का आसानी और शीघ्रता से मूकाभिनय किया जा सकता है। विद्यार्थियों को शामिल करने के लिए प्रश्नों का प्रयोग करने के बारे में अधिक जानने के लिए संसाधन 4, 'सोचने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न करना' देखें।

**वीडियो: सोचने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न करना' का प्रयोग करना**

| गतिविधि 3: नए शब्दों को समझने और सीखने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने के लिए विभिन्न तकनीकों का प्रयोग करना |
|---|
| यह गतिविधि आप कक्षा में अपने विद्यार्थियों के साथ कर सकते हैं।<br><br>विविध प्रकार की तकनीकों का प्रयोग आपके विद्यार्थियों को नए शब्द समझने में मदद करेगा, और इससे उन्हें उनको बेहतर ढंग से याद रखने में भी मदद मिलेगी। उन्हें वह चित्र जो आपने बोर्ड पर बनाया था, या मज़ेदार मूकाभिनय याद रह सकता है। अपनी कक्षा में कुछ अलग-अलग तकनीकों को आजमाने के लिए निम्न चरणों का अनुसरण करें:<br><br>1. अपनी पाठ्यपुस्तक से कोई अध्याय चुनें। यह कोई भी अध्याय हो सकता है, जिसमें गद्य या पद्य शामिल है। यह आपके द्वारा पढ़ाया जाने वाला अगला अध्याय भी हो सकता है। यदि अध्याय लंबा है, तो कुछ पैराग्राफ या पद्यांश चुनें।<br>2. पाठ से पहले कुछ ऐसे शब्दों का चयन करें जो आपके खयाल से आपके विद्यार्थियों को पता नहीं हैं। यदि आप कुछ शब्दों से परिचित नहीं हैं, तो आप उन्हें शब्दकोश में देख सकते हैं। (ऑनलाइन शब्दकोशों के लिए लिंक्स के लिए इस इकाई का अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।) शब्दों और वाक्यांशों को ऊँची आवाज़ में बोलने का अभ्यास करें ताकि विद्यार्थी आपके बाद उन्हें दोहरा सकें।<br>3. निश्चय करें कि आप इन शब्दों को समझने में अपने विद्यार्थियों की मदद कैसे कर सकते हैं। क्या आप उनका चित्र बना सकते हैं या मूकाभिनय कर सकते हैं? क्या आप उस शब्द का प्रयोग करने वाले वाक्यों के कुछ अन्य उदाहरण सोच सकते हैं? क्या आप उस शब्द को अंग्रेजी में समझा सकते हैं? क्या आपके विद्यार्थी समझ रहे हैं यह जांचने के लिए आप उनसे कौन से प्रश्न पूछ सकते हैं? (उदाहरण के लिए: 'इस शब्द का विलोम क्या है?')<br>4. आपके विद्यार्थियों द्वारा पाठ को पढ़ने से पहले शब्दों को बोर्ड पर लिखें।<br>5. अपने विद्यार्थियों से पूछें कि क्या वे जानते हैं कि उन शब्दों का अर्थ क्या है। यदि वे नहीं जानते तो आपके द्वारा तैयार की गई विभिन्न तकनीकों का प्रयोग करके समझने में उनकी मदद करें। यदि समझने में उन्हें कठिनाई हो रही है तो कोई अन्य तकनीक आजमाएं। हो सके तो अनुवाद का प्रयोग करने से बचने का प्रयास करें; उसका प्रयोग केवल अंतिम उपाय के रूप में करें। शब्दावली पढ़ाने में उपयोग करने के लिए भाषा के कुछ उदाहरणों के लिए संसाधन 2 देखें। |

## 3 शब्दावली रिकार्ड करने और याद रखने में अपने विद्यार्थियों की मदद करना

कई विद्यार्थी शब्दों को रिकार्ड करने और याद रखने के लिए शब्द सूचियों का प्रयोग करते हैं। शब्द सूचियों को शब्दकोष (glossaries) भी कहा जाता है और आप इन्हें कई पाठ्यपुस्तकों के अंत में पा सकते हैं। विद्यार्थी उनके अपने वैयक्तिकृत शब्दकोष भी बना सकते हैं जिन्हें वे नए शब्दावली शब्दों को सीखते समय अपनी कॉपियों के अंत में अपडेट कर सकते हैं। कक्षा 10 की पाठ्यपुस्तक से लिया गया एक नमूना शब्दकोष चित्र 1 में दिखाया गया है। आप अपने विद्यार्थियों की कक्षा 10 वीं की पाठ्यपुस्तक से कोई उदाहरण लें सकतें है।

**NOTES AND MEANINGS**

| | | |
|---|---|---|
| Made | : | earned (कमाया) |
| Laid by | : | saved (बचाया) |
| Reluctant | : | unwilling (अनिच्छुक) |
| Insisted | : | urged, pressed hard (जोर दिया) |
| Hay | : | dried grass (सुखाई हुई घास) |
| Haggling | : | bargaining (सौदेबाजी) |
| Piled | : | heaped (ढेर लगाया) |
| Straightaway | : | direct (सीधा) |
| Disconsolately | : | unhappily, disappointedly (दुःखी होकर) |
| Native country | : | motherland (मातृभूमि) |
| Talents | : | abilities (क्षमताएं) |
| Cultivate | : | grow, develop (उत्पन्न करना, विकसित करना) |
| Characteristics | : | salient qualities (मुख्य कारण) |
| Inhospitable | : | uncivil (मेहमानों का स्वागत न करने वाले) |
| Puzzled | : | confused (परेशान) |
| Reception | : | welcome (स्वागत) |
| Protested | : | objected, spoke against (विरोध किया) |
| Misfortunes | : | calamities (मुसीबतें) |
| Benefit | : | advantage (लाभ) |
| Enlightened | : | full of knowledge (ज्ञानी) |
| Relay | : | a relieving shift of men |
| Certain | : | definite (निश्चित) |
| Mentioned | : | told (बताए गए) |
| Accident | : | a tragic incident (दुर्घटना) |
| Ashamed | : | feeling shame (लज्जित) |
| Skill | : | ability (दक्षता, चातुर्य) |

चित्र **1** शब्दों के शब्दकोष का एक उदाहरण।

सूचियाँ और शब्दकोष शब्दावली सीखने में उपयोगी हो सकते हैं। हांलाकि इनके कुछ नुकसान हैं। कभी-कभी शब्द सूची में केवल अनुवाद होते हैं और वह शब्दों के बारे में अन्य जानकारी नहीं देती है। शब्दावली सीखते समय उपयोगी जानकारी में शामिल है:

- उच्चारण
- व्याकरण (जैसे किसी क्रिया का past participle, या कि वह संज्ञा है या क्रिया या विशेषण है)
- वे शब्द जिनके साथ उसका प्रयोग आदर्श रूप से किया जाता है (उदाहरण के लिए क्रिया 'mention' का अनुसरण प्रायः 'that' करता है; 'ashamed' शब्द का अनुसरण प्रायः 'about' करता है)
- इसकी औपचारिकता (formality) (यह औपचारिक है या अनौपचारिक?)।

साथ ही कुछ विद्यार्थी शब्द सूचियों को याद करने में समर्थ हो सकते हैं लेकिन अन्य विद्यार्थियों को यह कठिन लग सकता है। अगर विद्यार्थी सूची के शब्दों को थोड़ी देर के लिए (जैसे, किसी परीक्षा के लिए) याद कर भी पाते हैं तो भी वे उन्हें शीघ्र ही भूल सकते हैं और अपने खुद के बोलने और लिखने में उनका प्रयोग संभवतः नहीं कर सकेंगे।

उनकी शब्दावली को विकसित करने के लिए जिससे कि वे उसका प्रयोग अपने स्वयं के बोलने और लिखने में कर सकें विद्यार्थियों को शब्दों को कई बार देखने और सुनने और शब्दों का प्रयोग करने के अवसर पाने की जरूरत होती है। यदि विद्यार्थी नए शब्द सीखते हैं और उन्हें दोबारा नहीं देखते या उनका प्रयोग नहीं करते हैं तो वे उन्हें जल्दी ही भूल जाएंगे। शिक्षकों को ऐसी गतिविधियाँ शामिल करनी होंगी जो विद्यार्थियों को नए शब्दों की समीक्षा और उनका प्रयोग करने का मौका देती हैं। विद्यार्थियों की शब्दावली विकसित करने के लिए अन्य गतिविधियों के लिए कुछ विचार पाने के लिए इस इकाई का अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

शब्दों को रिकार्ड करने और याद करने में विद्यार्थियों की मदद करने का उपयोगी तरीका है 'vocabulary log' का प्रयोग करना। यह एक पृथक कॉपी है जिसमें विद्यार्थी:

- शब्द के बारे में जानकारी नोट करते हुए नए शब्द रिकार्ड कर सकता है
- ऐसी कोई भी बात नोट कर सकता है जो शब्द को याद रखने में उसकी मदद कर सकती है,जैसे उसने उसे पहली बार कहाँ देखा था
- चित्र की नकल कर सकता है या चिपका सकता है
- शब्द के बारे में व्याकरण संबंधी जानकारी जोड़ सकता है
- शब्द के उच्चारण या चलन का वर्णन कर सकता है (जैसे क्या वह औपचारिक या अनौपचारिक है)
- शब्द के वाक्य में प्रयोग के उदाहरण नोट कर सकता है (उदाहरण के लिए उसे उस गद्यांश से नकल करके जहाँ उसने उसे पढ़ा था)
- संबंधित शब्द नोट कर सकता है।

शब्दावली लॉग उपयोगी होते हैं क्योंकि वे विद्यार्थियों को अध्यायों की समीक्षा करने और नए शब्द याद करने के अवसर प्रदान करते हैं। विद्यार्थी कक्षा के भीतर और बाहर दोनों जगह शब्दावली लॉग का प्रयोग कर सकते हैं। विद्यार्थियों को अपने लॉग्स की समीक्षा करने को, या एक दूसरे को लॉग्स में देखकर यह पता करने को कहकर कि उन्हें कितना याद है, आप उन्हें खुद अपनी सीखने की प्रक्रिया पर विचार करने में उनकी मदद कर रहे हैं। इससे उन्हें उनके द्वारा की जा रही प्रगति को देखने और स्वतंत्र विद्यार्थी बनने में मदद मिलती है।

शब्दावली लॉग्स के उदाहरण संसाधन 5 में दिखाए गए हैं।

> केस–स्टडी 2रू श्री परिहार कक्षा 10 में शब्दावली लॉग्स का प्रयोग करके विद्यार्थियों की शब्द याद रखने में मदद करते हैं
>
> *श्री परिहार कक्षा 10 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं। उन्होंने हाल ही में शब्दावली पढ़ाने के बारे में एक शिक्षक प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। सत्र के अंत में, शिक्षकों ने शब्दों को रिकार्ड करने और याद रखने के बारे में विचार साझा किए, और एक शिक्षक ने 'vocabulary logs' का उल्लेख किया। श्री परिहार ने इसे अपनी कक्षा में आजमाने का निश्चय किया।*
>
> मुझे vocabulary logs का विचार बहुत पसंद आया। जब मैं विद्यार्थी था तब मैंने भी इसे कुछ समय तक रखा था और मैंने इसे बहुत उपयोगी पाया था। आजकल मैं इतना व्यस्त रहता हूँ कि मेरी आदत छूट गई है। लेकिन मेरे विद्यार्थियों को अपनी परीक्षाओं के लिए शब्दावली सीखने की जरूरत है और चीजों को याद रखने में वे इतना ज्यादा समय व्यतीत करते हैं … मैं देखना चाहता था कि क्या vocabulary log रखने से उन्हें मदद मिल सकती है।
>
> मैंने हर विद्यार्थी से एक छोटी नोटबुक खरीदने और कक्षा में लाने को कहा। कुछ विद्यार्थी नोटबुक लेकर नहीं आए इसलिए मैंने उन्हें नोटबुकें दीं (मैंने कक्षा के पहले कुछ कॉपियों खरीदी थीं)। मैंने विद्यार्थियों से कहा कि नोटबुकें उनकी vocabulary logs हैं – एक ऐसी जगह जहाँ वे नए शब्द नोट कर सकते हैं। हमने चर्चा की कि वे logs में क्या शामिल कर सकते हैं और बोर्ड पर कुछ उदाहरण दिए। कक्षा के अंत में मैंने उनसे अध्याय पर नज़र डालने और कुछ शब्द नोट करने को कहा।
>
> अब कक्षा हर सप्ताह 20 से 30 मिनट अपने शब्दावली लॉग को पूरा करने में बिताती है। मैं विद्यार्थियों से पाठों को पढ़ने और उन नए शब्दों को नोट करने को कहता हूँ जिनकी उन्हें जरूरत है या वे याद रखना चाहते हैं। मैं उन्हें उनकी पसंद के अनुसार काम करने देता हूँ। कुछ विद्यार्थी अकेले काम करना पसंद करते हैं; अन्य लोग जोड़ियों और समूहों में काम करते हैं। वे अपनी पसंद के शब्द लिखते हैं। मेरा खयाल है कि विद्यार्थियों का शब्द चुनना महत्वपूर्ण है न कि मेरे द्वारा उन्हें बताया जाना कि कौन से शब्द लिखने हैं। यदि मैं शब्द चुनता हूँ तो हो सकता है कुछ विद्यार्थी उन्हें पहले से जानते हों। और वैसे भी इससे उन्हें अपने स्वयं की सीखने की क्रिया के लिए उत्तरदायी होने में प्रोत्साहन मिलता है और इससे उन्हें भविष्य में तब मदद मिलेगी जब मैं नहीं रहूँगा।
>
> जब वे काम करते हैं तब मैं कमरे में घूमता हूँ और सुनिश्चित करता हूँ कि वे अपना vocabulary logs पूरा कर रहे हैं और साथ ही मदद भी करता हूँ और सुझाव देता हूँ। उदाहरण के लिए मैं नए शब्दों से युक्त नमूना वाक्य देता हूँ, या मैं संबंधित शब्दों या विलोमों के उदाहरण देता हूँ और मुझे दिखने वाली गलतियों को सुधारता हूँ। यह देखना बहुत दिलचस्प होता है कि विद्यार्थी कौन से शब्द नोट करते हैं। इससे मुझे यह देखने में मदद मिलती है कि विद्यार्थी कौन से शब्द जानते हैं और कौन से नहीं और किन विद्यार्थियों को अधिक या कम मदद चाहिए। मैं समय-समय पर देखने के लिए कुछ logs भी लेता हूँ – बेशक, उन सभी को नहीं – वे बहुत सारे जो हैं! इससे मुझे वह प्रगति देखने में मदद मिलती है जो मेरे विद्यार्थी अंग्रेजी में कर रहे हैं और मैं इस जानकारी का प्रयोग उनके आकलन के भाग के रूप में करता हूँ।
>
> हर थोड़ी देर में मैं विद्यार्थियों से अपने शब्दावली लॉग निकालने और शब्दों का प्रयोग करके एक दूसरे की परीक्षा लेने को कहता हूँ। आखिरकार शब्दों का रिकार्ड रखने का कोई मतलब नहीं है यदि आप उन पर नज़र भी नहीं डालते हैं! मैं जानता हूँ कि कुछ विद्यार्थी उन्हें अपने घर पर देखते

हैं – और शब्द भी जोड़ते हैं – लेकिन अन्य लोग ऐसा नहीं करते हैं इसलिए मैं उन्हें शब्दों को देखने के लिए प्रोत्साहित करने के तरीके खोजने का प्रयास कर रहा हूँ। मैं जानता हूँ कि शब्दों को याद रखने के लिए उन्हें बार-बार देखते रहना महत्वपूर्ण होता है।

मेरे विद्यार्थियों को vocabulary log रखते हुए अब दो महीने हो गए हैं। मेरा खयाल है वे उत्साह खोने लगे हैं इसलिए मैंने सत्र के अंत में एक प्रतियोगिता आयोजित करने का निश्चय किया है। सर्वोत्तम vocabulary log रखने वाले विद्यार्थी को मैं एक छोटा सा पुरस्कार देने वाला हूँ। मुझे उम्मीद है कि इससे वे अधिक प्रेरित बने रहेंगे!

| गतिविधि 4: अपने विद्यार्थियों के साथ vocabulary logs का प्रयोग करना |
|---|
| यह गतिविधि आपको अपने विद्यार्थियों के साथ आजमानी चाहिए।<br><br>केस स्टडी 2 में, श्री परिहार ने कक्षा 10 के विद्यार्थी के एक समूह के साथ vocabulary logs का प्रयोग किया। शब्दावली रिकार्ड करने और याद रखने के लिए Vocabulary logs उपयोगी होते हैं। वे एक परियोजना का हिस्सा भी बन सकते हैं जिसे विद्यार्थी एक सत्र में या यहाँ तक की एक स्कूली वर्ष में भी कर सकते हैं। किताबों का मूल्यांकन किया जाएगा और वे हर विद्यार्थी के समग्र आकलन का हिस्सा रहेंगी। किसी भी स्तर के विद्यार्थी एक vocabulary log रख सकते हैं।<br><br>• विद्यार्थियों से एक सस्ती नोटबुक खरीदने और अगली अंग्रेजी कक्षा में लाने को कहें। खुद भी कुछ नोटबुकें उन विद्यार्थियों के लिए खरीदें जो नोटबुक खरीदने में असमर्थ हैं।<br>• विद्यार्थियों से कहें कि नोटबुक उनकी vocabulary log होगी। वे इसका प्रयोग शब्दावली रिकार्ड करने के लिए करेंगे।<br>• विद्यार्थियों से इस (या पिछले) अध्याय से कुछ शब्द नोट करने को कहें और नोटबुक में वे जो कुछ लिख सकते हैं उसके कुछ उदाहरण दें (जैसे कोई चित्र, कोई नमूना वाक्य, व्याकरण संबंधी जानकारी इत्यादि)। आप बोर्ड पर उदाहरण लिख सकते हैं।<br>• अपनी logs में शब्द नोट करने के लिए हर सप्ताह विद्यार्थियों को समय दें और उन्हें घर पर भी शब्द जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। जब वे अपने लॉग्स पूरे करते हों तब आस-पास घूमें और जहाँ आवश्यक हो मदद करें।<br>• समय-समय पर अलग-अलग विद्यार्थियों के लॉग लें और उन्हें देखें। logs के बारे में नोट्स बनाएं और उनका प्रयोग हर विद्यार्थी के लिए अपने लगातार आकलन के हिस्से के रूप में करें। आप logs का प्रयोग अपने अध्यापन की योजना बनाने के लिए भी कर सकते हैं: क्या शब्दावली के ऐसे कोई क्षेत्र हैं जिनमें विद्यार्थियों को कठिनाई हो रही है? किन विद्यार्थियों को अधिक मदद की जरूरत है? आप उनकी सहायता कैसे कर सकते हैं? (अधिक जानकारी के लिए इकाई '*निर्माणात्मक आकलन* के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना' देखें।) |

**विचार कीजिए**

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी साथी शिक्षक के साथ करें।

- आपके विद्यार्थी अपने vocabulary logs का प्रयोग कैसे करते हैं? लॉग्स का प्रभावी प्रयोग करने में आप उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?
- आप अपने विद्यार्थियों को उनके logs में नियमित रूप से लिखने के लिए प्रेरित बनाए कैसे रख सकते हैं?

शब्दावली लॉग्स रखने के बारे में उत्साही बने रहने के लिए विद्यार्थियों की मदद करना महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को कक्षा के भीतर और बाहर अपने लॉग्स को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करें। विद्यार्थियों से अपने लॉग्स को साझा करने को कहें और विद्यार्थियों को लॉग्स के वे उदाहरण दिखाएं जो अधिक प्रभावी हैं। अपने विद्यार्थियों के लॉग्स को समय-समय पर देखते रहें। आप सर्वोत्तम लॉग्स या सर्वाधिक सीखे गए शब्दों के लिए पुरस्कार भी दे सकते हैं। विद्यार्थियों को अपने खुद के काम, जैसे लिखने या बोलने की गतिविधियों के लिए लॉग्स के शब्दों का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। उनसे अलग-अलग वाक्यों में लॉग से लिए गए कुछ शब्दों का प्रयोग करने को कहें। विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि शब्दों को सीखना यह जानने से अधिक होता है कि उनका क्या अर्थ है उन्हें उनका प्रयोग करने में भी सक्षम होना चाहिए।

## 4 शब्दकोशों का प्रभावी ढंग से प्रयोग करना

शब्दकोश आप और आपके विद्यार्थियों दोनों के लिए उपयोगी संसाधन हैं। जब आप अंग्रेजी पढ़ते और सुनते हैं तब आपका सामना ऐसे शब्दों से होता है जिन्हें आप नहीं जानते या जिनके अर्थ का आप अनुमान नहीं लगा सकते – आखिरकार, अंग्रेजी के हर शब्द को जानना संभव नहीं है! शब्दकोश आप – और आपके विद्यार्थियों की – यह समझने में मदद करता है कि किसी शब्द का क्या अर्थ है और कुछ शब्दकोश आपको शब्द के बारे में और भी बहुत जानकारी देते हैं। *Collins COBUILD Learner's Illustrated Dictionary* से 'propel' शब्द के बारे में यह प्रविष्टी पढ़ें:

Propel/ prəˈpel/ (propels, propelling, propelled)

1. To propel someone or something in a certain direction means to cause them or it to move in that direction. *Rebecca took Steve's elbow and propelled him towards the door.*
2. If something propels you into a particular activity, it causes you to be involved in it. *It was this event which propelled her into politics.*

Wordlink: pel = driving, forcing: compel, expel, propel

यह प्रविष्टी आपको बताती है कि:

- शब्द का उच्चारण कैसे किया जाता है
- यह कैसे विभिन्न कालों से बना है
- शब्द के विभिन्न अर्थ क्या हैं
- इसका वाक्यों में प्रयोग कैसे किया जाता है
- यह अन्य शब्दों से कैसे संबंधित है।

सभी शब्दकोश यह जानकारी नहीं देते हैं। इसके बावजूद, वे तब भी बहुत उपयोगी होते हैं, क्योंकि वे एक अवधारणा देते हैं कि उन शब्दों का क्या मतलब है, और उन्हें संभवतः कहाँ इस्तेमाल किया जाता है। यदि विद्यार्थियों को स्कूल, कक्षा या घर पर शब्दकोश सुलभ होता है, तो वे शब्दों का अर्थ स्वयं पता करने में सक्षम हो जाएंगे और आप पर कम निर्भर रहेंगे। इसका मतलब है कि आपके पास अपनी अंग्रेजी कक्षाओं में अन्य चीजें करने के लिए समय होगा।

**गतिविधि 5: शब्दकोशों का अधिक प्रभावी रूप से प्रयोग करने की योजना बनाना**

भाग **A:** इन प्रश्नों के लिए अपने उत्तर नोट करें। हो सके, तो अपने उत्तरों को साथी शिक्षकों के साथ साझा करें।

1. क्या आपके पास शब्दकोश है?
   - यदि हाँ, तो वह किस प्रकार का शब्दकोश है? आप उसे कैसे प्रयोग करते हैं?
   - यदि नहीं, तो क्या शब्दकोश खरीदना या साझा करना, या आपके मोबाइल फोन पर उसका प्रयोग करना संभव है?
2. क्या आपके विद्यार्थियों के पास शब्दकोश हैं?
   - यदि हाँ, तो क्या वे उन्हें कक्षा में लाते हैं?
   - वे उनका कैसे प्रयोग करते हैं? क्या आप उन्हें उनका घर पर प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं?
3. क्या आपके स्कूल या कक्षा में शब्दकोश है?
   - यदि हाँ, तो आप उसका प्रयोग कैसे करते हैं?
   - यदि कोई शब्दकोश उपलब्ध नहीं है, तो क्या आप कक्षा के लिए खरीद सकते हैं? या अपने मोबाइल फोन पर कक्षा में ला सकते हैं? आप उसका कैसे प्रयोग कर सकते हैं?

भाग **B:** अब इन प्रश्नों के लिए कुछ अन्य शिक्षकों के उत्तर पढ़ें।

> मेरे पास घर पर एक छपा हुआ शब्दकोश है, जिसका प्रयोग मैं समय-समय पर करता हूँ। तथापि, मुझे पता चला है कि मेरे मोबाइल फोन पर एक शब्दकोश उपलब्ध है – और वह वाकई में उपयोगी है। मैं अपनी खुद की अंग्रेजी सुधारने के लिए अधिक अंग्रेजी पढ़ने का प्रयास कर रहा हूँ और अब मैं शब्दों का अर्थ आसानी और शीघ्रता से खोज सकता हूँ क्योंकि मेरा फोन मेरे पास रहता है। यह मेरे पाठों के लिए भी उपयोगी है। कभी-कभार ऐसे शब्द सामने आते हैं जिन्हें मैं नहीं जानता, इसलिए मैं उन्हें कक्षा के पहले खोज सकता हूँ।

स्कूल में हमारे पास कम्प्यूटर है जिसमें इंटरनेट कनेक्शन है। एक वरिष्ठ शिक्षक ने मुझे दिखाया कि शब्दकोश की खोज ऑनलाइन कैसे करनी चाहिए और मुझे बताया कि शब्दों के उच्चारण को कैसे सुनना चाहिए। इससे मुझे अपने उच्चारण को सुधारने में मदद मिल रही है – और यह मेरे विद्यार्थियों के लिए भी मददगार साबित हो रहा है! [कुछ ऑनलाइन शब्दकोशों के लिंक्स के लिए इस इकाई का अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।]

मेरे कुछ विद्यार्थियों के घर पर शब्दकोश हैं। वे सर्वोत्तम शब्दकोश तो नहीं हैं, लेकिन मैं अपने विद्यार्थियों को उन्हें किसी भी तरह से कक्षा में लाने को प्रोत्साहित करता हूँ। इस तरह मैं शब्दकोशों का अधिक प्रभावी ढंग से प्रयोग करने में उनकी मदद कर सकता हूँ। उदाहरण के लिए, मैं कक्षा से अध्यायों को पहले शब्दकोश के बिना पढ़ने, और शब्दों के अर्थों का अनुमान लगाने को कहता हूँ। फिर वे उन अर्थों का पता लगाने के लिए शब्दकोशों का प्रयोग कर सकते हैं जिनका वे अनुमान नहीं लगा सकते, और वे यह काम समूहों में, शब्दकोशों को साझा करते हुए करते हैं। इसका मतलब है कि विद्यार्थी हर एक शब्द की खोज नहीं करते हैं। कभी-कभी हम विभिन्न शब्दकोशों के अर्थों की तुलना करते हैं – वे हमेशा एक समान नहीं होते हैं! इससे मेरे विद्यार्थियों को उनका अधिक आलोचनात्मक ढंग से प्रयोग करने में मदद मिल रही है, और वे उन्हें एक उपयोगी 'गाइड' के रूप में देखते हैं।

हमारी कक्षा में एक छपा हुआ शब्दकोश है। मैं विद्यार्थियों को उसमें देखने को प्रोत्साहित करता हूँ – उदाहरण के लिए, जब वे किसी गतिविधि को अन्य विद्यार्थियों से पहले समाप्त कर लेते हैं, या कक्षा के शुरू या अंत में। कभी-कभी, मैं कक्षा के शरू या अंत में प्रश्नोत्तरी के लिए शब्दकोश का प्रयोग करता हूँ। मैं उसे एक पृष्ठ पर खोलता हूँ और विद्यार्थियों से उस पृष्ठ पर दिए गए शब्दों के बारे में प्रश्न पूछता हूँ, जैसे '"flicker" का क्या अर्थ है?', 'आप इसे कैसे स्पेल करेंगे?', 'क्या चीज "flicker" कर सकती है?' और 'क्या आप "flicker" का प्रयोग वाक्य में कर सकते हैं?'

भाग **C:** आपके अपने विद्यार्थियों के साथ शब्दकोशों के अपने इस्तेमाल में आप कैसे सुधार कर सकते हैं? ऊपर दी गई गतिविधियों में से एक को चुनें और उसे स्वयं करें या अपनी कक्षा के साथ आजमाएं।

## 5 सारांश

अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकों में आम तौर पर ऐसे कई शब्द होते हैं जिन्हें विद्यार्थी नहीं जानते हैं। आप शब्दों का अनुवाद करने की तकनीक का प्रयोग कर सकते हैंए लेकिन इसके कुछ नुकसान हैं। विद्यार्थियों को ऐसी तकनीकें पढ़ाना अधिक उपयोगी होता है जो शब्दों को स्वयं समझने में उनकी मदद करती हैं। इस इकाई में आपने शब्दों का मतलब निकालने और उन्हें याद रखने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने के कुछ तरीकों का अध्ययन किया है। ये वे तकनीकें हैं जिनका प्रयोग आप पाठ्यपुस्तक के सभी अध्यायों के साथ कर सकते है ताकि आपके विद्यार्थी अधिक स्वतंत्र आत्मविश्वास से भरे विद्यार्थी बन सकें।

यदि आप अंग्रेजी में अपनी स्वयं की शब्दावली को सुधारने के लिए और शब्दावली पढ़ाने में उपयोगी वाक्यांशों के लिए कुछ अवधारणाएं चाहते हैं तो संसाधन 2 देखें। यदि आप शब्दावली पढ़ाने के बारे में अधिक पढ़ना चाहते हैं तो अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

## संसाधन

### संसाधन 1: नए शब्द याद रखने में विद्यार्थियों की मदद करने वाली गतिविधियाँ

- **दो शब्द, एक वाक्य:** इस बारे में सीखने के लिए कि शब्द अन्य शब्दों के साथ कैसे काम करते हैं विद्यार्थियों को शब्दों का प्रयोग करने की जरूरत होती है, इसलिए यह गतिविधि भाषा के वाक्य बनाने में विद्यार्थियों की मदद करती है। बोर्ड पर ऐसे दो शब्द लिखें जिनकी आप समीक्षा करना चाहते हैं और विद्यार्थियों को जोड़ियों या समूहों में रखें। विद्यार्थियों से एक ऐसा वाक्य बनाने करने को कहें जिसमें दोनों शब्द हों। कुछ विद्यार्थियों से आपको अपने वाक्य बताने को कहें। सर्वोत्तम वाक्य चुनें और उसे विद्यार्थियों के नकल करने के लिए बोर्ड पर लिखें, फिर यही प्रक्रिया दो और शब्दों के साथ दोहराएं।
- **पाँच शब्दों की कहानी:** बोर्ड पर एक ग्रिड बनाएं जिसमें उन शब्दों का संग्रह हो जिन्हें आपके विद्यार्थियों ने हाल ही में सीखना शुरू किया है। विद्यार्थियों को छोटे समूहों में रखें और उनसे पाँच शब्द चुनने को कहें। प्रत्येक समूह द्वारा पाँच शब्द चुन लेने के बाद, उनसे एक बहुत छोटी सी कहानी बनाने को कहें जिसमें सभी पाँच शब्द हों। उनके कहानियाँ बना लेने के बाद, विद्यार्थियों को अपनी कहानियाँ साझा करने के लिए जोड़ियों में रखें या हर समूह में से किसी को कक्षा को अपनी कहानी सुनाने को कहें।
- **तीन अर्थ:** यह शब्दावली का पुनरावर्तन करने के लिए पाठ्यपुस्तक के शब्दकोषों का प्रयोग करने का तेज और उपयोगी तरीका है। विद्यार्थियों से अपनी किताबें बंद करने के कहें। बोर्ड पर एक शब्द लिखें, फिर पाठ्यपुस्तक के शब्दकोष से तीन परिभाषाएं पढ़ें। विद्यार्थियों से अनुमान लगाने को कहें कि कौन सी परिभाषा सही है। यदि आपकी कक्षा में या कक्षा के बाहर खाली जगह है, तो आप इसे अधिक मज़ेदार बना सकते हैं और विद्यार्थियों

से खड़ा होने को कह सकते हैं। यदि पहली परिभाषा सही है, तो वे कक्षा के दायीं ओर जाएंगे; यदि दूसरी सही है, तो वे कक्षा के बीच में जाएंगे; और यदि तीसरी सही है, तो वे बायीं ओर जाएंगे।

- शब्द थैली**:** यह एक चालू रहने वाली गतिविधि है जिसे आप सारे स्कूल वर्ष में कर सकते हैं। प्रत्येक अध्याय के अंत में, अपने विद्यार्थियों को कागज की छोटी स्लिपें दें। उनसे स्लिप के एक ओर वे शब्द जिनकी उन्हें जरूरत है या जिन्हें वे सीखना चाहते हैं, और दूसरी ओर शब्द के बारे में जानकारी लिखने को कहें (जैसे अनुवाद, नमूना वाक्य, व्याकरण संबंधी जानकारी इत्यादि)। कक्षा के अंत में, कागज की सभी स्लिपें एकत्र करें और उन्हें एक थैली में रखें। थैली से नियमित रूप से बेतरतीब शब्द निकालें और उनके बारे में प्रश्न पूछें, जैसे 'इसका क्या अर्थ है?' या 'मुझे एक नमूना वाक्य दें।' ये त्वरित पुनरावृत्ति प्रश्नोत्तरियाँ पाठों से शब्दों को याद रखने में आपके विद्यार्थियों की मदद करेंगी।

## संसाधन 2: शब्दावली पढ़ाने के लिए भाषा के उदाहरणों के साथ अपनी खुद की अंग्रेजी विकसित करें

यहाँ भाषा के कुछ उदाहरण प्रस्तुत हैं जिनका प्रयोग आप शब्दावली पढ़ाने के लिए कर सकते हैं:

- 'Which words don't you know? Can you please write down the words that you don't understand?'
- 'I'm sure you can guess the meaning of some of those words from the context.'
- 'Which are the words you can guess the meaning of?'
- 'That's not exactly right. Any other guesses?'
- 'Yes, spot on! How could you guess the meaning? What were the clues?'
- 'Which are the words you couldn't guess?'
- 'What is the opposite of that word?'
- 'Do you know a word that is similar to this?'
- 'What kind of word is it? Is it a verb? Is it a noun?'
- 'What are the words before it and after it?'
- 'What is the topic of the lesson? Do you think this word is related to that topic?'
- 'You already know the word "helper". The word "assistant" is similar to that.'
- 'Can you see another word inside of this word? Can you see that the word "assist" is in there?'
- 'Do you know another word that is similar to this?'
- 'What word can you recognise in "disabled"' Did you notice that the word "able" is in there?'
- 'You know the word "able", yes? Can you guess what "disabled"' means?'
- 'Okay, so which of these words do you think are important for you to remember?'
- 'Circle the words that you think are important.'
- 'You might need to know some of these words for the exam.'

यहाँ अंग्रेजी में आपकी अपनी शब्दावली विकसित करने के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत हैं:

- Read as much as you can in English (newspapers, magazines, books).
- Try to use strategies you have learned about in this unit, such as guessing words from the context and deciding which words are useful to learn.
- If possible, find out how new words are pronounced and learn how they are used.
- Keep a vocabulary log – note down new words and revisit it often.
- Keep a dictionary near you so that you can consult it whenever you need to.
- Play word games in English, such as crossword puzzles.

यहाँ शब्दावली विकसित करने के लिए उपयोगी साइट्स के लिए लिंक्स प्रस्तुत हैं:

- 'व्याकरण, शब्दावली एवं उच्चारण': http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/language/
- 'शब्दावली गेम्स': http://learnenglish.britishcouncil.org/en/vocabulary-games

संसाधन 3: कैम्ब्रिज की यात्राश

Cambridge was my metaphor for England, and it was strange that when I left it had become altogether something else, because I had met Stephen Hawking there.

It was on a walking tour through Cambridge that the guide mentioned Stephen Hawking, 'poor man, who is quite disabled now, though he is a worthy successor to Issac Newton, whose Chair he has at the university.' And I started, because I had quite forgotten that this most brilliant and completely paralysed astrophysicist, the author of *A Brief History of Time*, one of the biggest bestsellers ever, lived here.

When the walking tour was done, I rushed to a phone booth and, almost tearing the cord so it could reach me outside, phoned Stephen Hawking's house. There was his assistant on the line and I told him I had come in a wheelchair from India (perhaps he thought I had propelled myself all the way) to write about my travels in Britain. I had to see Professor Hawking — even ten minutes would do. 'Half an hour,' he said. 'From three-thirty to four.'

And suddenly I felt weak all over. Growing up disabled, you get fed up with people asking you to be brave, as if you have a courage account on which you are too lazy to draw a cheque. The only thing that makes you stronger is seeing somebody like you, achieving something huge. Then you know how much is possible and you reach out further than you ever thought you could.

(Source: National Council of Educational Research and Training, 2006a)

संसाधन 4: सोचने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न पूछने का प्रयोग करना

शिक्षक हमेशा अपने विद्यार्थियों से सवाल पूछते रहते हैं। सवालों का अर्थ ये होता है कि शिक्षक सीखने और सीखते रहने में अपने विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार औसतन, एक शिक्षक अपने समय का एक-तिहाई हिस्सा विद्यार्थियों से सवाल पूछने में खर्च करता है (हेस्टिंग्स, 2003)। पूछे गए प्रश्नों में से, 60 प्रतिशत में तथ्यों को दोहराया गया था और 20 प्रतिशत प्रक्रियात्मक थे (हैती, 2012), जिनमें से ज्यादातर के उत्तर सही या गलत में थे। लेकिन क्या सिर्फ सही या गलत में उत्तर वाले सवाल पूछने से सीखने को प्रोत्साहन मिलता है?

विद्यार्थियों से कई अलग अलग तरह के सवाल पूछे जा सकते हैं। शिक्षक किस तरह के उत्तर और परिणाम पाना चाहते हैं उनसे पता चलता है कि शिक्षक को किस तरह के सवाल पूछने चाहिए। शिक्षक आमतौर पर विद्यार्थियों से सवाल पूछते हैं, ताकि वे:

- जब कोई नया विषय या सामग्री प्रस्तुत की जाती है तो वे विद्यार्थियों को इसे समझने के लिए मार्गदर्शन कर सकें
- बेहतर ढंग से सोचने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर सकें
- कोई त्रुटि दूर कर सकें
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर सकें
- समझ को जाँच सकें।

प्रश्नों का प्रयोग आमतौर पर यह देखने के लिए किया जाता है कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, इसलिए यह उनकी प्रगति का आंकलन करने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रश्नों का प्रयोग प्रेरणा देने, विद्यार्थियों के सोचने के कौशल को बढ़ाने और जिज्ञासु मन विकसित करने में भी किया जा सकता है। उन्हें मोटे तौर पर दो श्रेणियों में बाँटा जा सकता है:

- सामान्य स्तर के प्रश्न, जिनसे कि तथ्यों का स्मरण और पहले सिखाया गया ज्ञान शामिल होता है, प्रायः बंद प्रश्नों (हां या नहीं में उत्तर वाले) से संबद्ध होते हैं।
- उच्च स्तर के प्रश्न, जिनके लिए ज्यादा सोचने की ज़रुरत होती है। उनके लिए विद्यार्थियों को पहले किसी उत्तर से सीखी गई जानकारी को एक साथ रखने या तार्किक रूप से किसी दलील का समर्थन करने की ज़रुरत पड़ सकती है। उच्च स्तर के प्रश्न प्रायः ज्यादा खुले सिरों वाले होते हैं।

खुले प्रश्न विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक पर आधारित, यथाशब्द जवाबों से परे सोचने को प्रोत्साहित करते हैं, इसलिए उत्तरों की श्रेणी खींच निकालते हैं। इनसे शिक्षकों को भी सामग्री के बारे में विद्यार्थी की समझ का आंकलन करने में मदद मिलती है।

### विद्यार्थियों को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना

कई शिक्षक एक सेकंड से भी कम समय में अपने प्रश्न का उत्तर चाहते हैं और इसलिए अक्सर वे खुद ही प्रश्न का उत्तर दे देते हैं या प्रश्न को दूसरी तरह से दोहराते हैं (हेस्टिंग्स, 2003)। विद्यार्थियों को केवल प्रतिक्रिया देने का समय मिलता है – उनके पास सोचने का समय ही नहीं होता! अगर आप उत्तर चाहने से पहले कुछ सेकंड इंतजार करते हैं तो विद्यार्थी को सोचने के लिए समय मिल जाएगा। इसका विद्यार्थियों की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रश्न को प्रस्तुत करने के बाद इंतजार करने से निम्नांकित में वृद्धि होती है:

- विद्यार्थियों के उत्तरों की लंबाई
- उत्तर देने वाले विद्यार्थियों की संख्या
- विद्यार्थियों के प्रश्नों की बारंबारता
- कम सक्षम विद्यार्थियों के पास से उत्तरों की संख्या
- विद्यार्थियों के बीच सकारात्मक संवाद।

### आपका फीडबैक महत्वपूर्ण है

आप दिए गए सभी उत्तरों को जितने सकारात्मक ढंग से स्वीकार करते हैं, विद्यार्थी भी उतना ही ज्यादा सोचना और कोशिश करना जारी रखेंगे। यह सुनिश्चित करने के कई तरीके हैं कि गलत उत्तरों और गलत धारणाओं को सुधार दिया जाए, और यदि एक विद्यार्थी के मन में कोई गलत विचार है, तो आप निश्चित रूप से यह मान सकते हैं कि कई अन्य विद्यार्थियों के मन में भी वही गलत धारणा होगी। आप निम्नलिखित का प्रयास कर सकते हैं:

- उत्तरों के उन हिस्सों को चुन सकते हैं, जो सही हैं और एक सहायक ढंग से विद्यार्थी से अपने उत्तर के बारे में थोड़ा और सोचने के लिए कह सकते हैं। यह ज्यादा सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और आपके विद्यार्थियों की अपनी गल्तियों से सीखने में मदद करता है। निम्नलिखित टिप्पणी यह दर्शाती है कि आप ज्यादा मददगार ढंग से किस प्रकार से गलत उत्तर पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं: 'आप वाष्पीकरण से बनते बादलों के बारे में सही थे लेकिन मुझे लगता है कि हमें बारिश के बारे में आपने जो कहा है उसके बारे में थोड़ा और पता लगाने की जरूरत है। क्या आपमें से कोई और इस बारे में कुछ बता सकता है?'
- विद्यार्थियों से मिलने वाले सभी उत्तर ब्लैकबोर्ड पर लिखें, और विद्यार्थियों से पूछें कि वे इनके बारे में क्या सोचते हैं। उनके अनुसार कौन-से उत्तर सही हैं? कोई अन्य उत्तर देने का कारण क्या रहा होगा? इससे आपको यह समझने का एक मौक़ा मिलता है कि आपके विद्यार्थी किस तरीके से सोच रहे हैं और आपके विद्यार्थियों को भी एक मित्रवत तरीके से अपनी गलत धारणाओं को सुधारने का अवसर मिलता है।

सभी उत्तरों को ध्यान से सुनकर और आगे समझाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करके उन्हें महत्व दें। उत्तर चाहे सही हो या गलत, लेकिन यदि आप विद्यार्थियों से अपने उत्तरों को विस्तार में समझाने को कहते हैं, तो अक्सर विद्यार्थी अपनी गलतियाँ खुद ही सुधार लेंगे, आप एक विचारशील कक्षा का विकास करेंगे और आपको वास्तव में पता चलेगा कि आपके विद्यार्थी कितना सीख गए हैं और अब किस तरह आगे बढ़ना चाहिए। यदि गलत उत्तर देने पर अपमान या सज़ा मिलती है, तो दोबारा शर्मिंदगी या डांट के डर से आपके विद्यार्थी कोशिश करना ही छोड़ देंगे।

### उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना

यह महत्वपूर्ण है कि आप प्रश्नों का एक ऐसा क्रम अपनाने की कोशिश करें, जो सही उत्तर पर ख़त्म न होता हो। सही उत्तरों के बदले फॉलो-अप प्रश्न पूछने चाहिए, जो विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ता है और उन्हें शिक्षक के साथ संलग्न होने का मौका देते है। यह आप इसके लिए पूछकर कर सकते हैं:

- कैसे या क्यों
- उत्तर देने का एक और तरीका
- एक बेहतर शब्द
- किसी उत्तर को सही साबित करने के लिए प्रमाण
- संबंधित कौशल का एकीकरण
- उसी कौशल या तर्क का किसी नई स्थिति में अनुप्रयोग।

विद्यार्थियों की ज्यादा गहराई में जाकर सोचने में मदद करना और उनके उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना आपकी भूमिका का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। निम्नलिखित कौशल अधिक उपलब्धि हासिल करने में विद्यार्थियों की मदद करते हैं:

- प्रोत्साहन के लिए विद्यार्थियों को उचित संकेत देने की ज़रुरत पड़ती है – ऐसे संकेत जिनसे विद्यार्थियों को उनके प्रश्नों को विकसित करने और सुधार में मदद मिलती हो। उत्तर में सही क्या है, आप पहले इसे चुनकर इसके बाद जानकारी, आगे के प्रश्न तथा अन्य संकेत दे सकते हैं। ('तो अगर आप कागज के अपने हवाई जहाज के अंतिम सिरे पर वजन रखते हैं तो क्या होगा?')
- जांच-पड़ताल अधिक जानकारी पाने की कोशिश करने, एक अव्यवस्थित उत्तर को या आंशिक रूप से सही उत्तर को सुधारने की कोशिश में विद्यार्थियों जो कहना चाहते हैं, उसे स्पष्ट करने में उनकी मदद करने से संबंधित है। ('तो इस सबका जो अर्थ है उसके बारे में आप मुझे और क्या बता सकते हैं?')
- फिर से ध्यान केंद्रित करना सही उत्तरों के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान को उस ज्ञान से जोड़ने से संबंधित होता है, जो उन्होंने पहले सीखा है। यह उनकी समझ को विकसित करता है। ('आपकी बात सही है, लेकिन पिछले सप्ताह हमने अपने स्थानीय पर्यावरण विषय के बारे में जो पढ़ रहे थे, यह उससे किस प्रकार संबंधित है?')
- प्रश्नों को अनुक्रित करने का अर्थ है ऐसे क्रम में प्रश्न पूछना, जिन्हें सोच का विस्तार करने हेतु बनाया गया है। प्रश्नों के द्वारा विद्यार्थियों को सारांश बनाने, तुलना करने, समझाने और विश्लेषण करने की प्रेरणा मिलनी चाहिए। ऐसे प्रश्न तैयार करें, जिनसे विद्यार्थियों को सोचने की प्रेरणा मिले, लेकिन उन्हें इतनी ज्यादा भी चुनौती न दें कि प्रश्न का अर्थ ही खो जाए। ('स्पष्ट करें कि आप अपनी पहले की समस्या से किस प्रकार उबरे। उससे क्या फर्क पड़ा? आपको क्या लगता है आगे आपको किस चीज का सामना करने की जरूरत पड़ेगी?')
- सुनने से आप न केवल अपेक्षित उत्तर पर गौर करने में समर्थ होते हैं, बल्कि इससे आप असाधारण या नवोन्मेषी उत्तरों के प्रति सतर्क भी होते हैं, जिसकी हो सकता है कि आपको अपेक्षा न रही हो। इससे यह भी दिखाई देता है कि आप विद्यार्थियों के विचारों को महत्व देते हैं और इसलिए इस बात की ज्यादा संभावना होती है कि वे सुविचारित उत्तर देंगे। इस तरह के उत्तर भ्रांतियों को चिह्नांकित कर सकते हैं, जिन्हें ठीक करने की जरूरत होती है अथवा वे एक नयी पहुंच दर्शा सकते हैं, जिन पर आपने विचार नहीं किया हो। ('मैंने इसके बारे में सोचा नहीं था। आप इस तरह से क्यों सोचते हैं इसके बारे में मुझे और जानकारी दें।')

एक शिक्षक के रूप में, आपको ऐसे प्रश्न पूछने चाहिए जो प्रेरित करने वाले और चुनौतीपूर्ण हों, ताकि आप अपने विद्यार्थियों से रोचक और आविष्कारक उत्तर पा सकें। आपको उन्हें सोचने का समय देना चाहिए और आप सचमुच यह देखकर चकित रह जाएंगे कि आपके विद्यार्थी कितना कुछ जानते हैं और आप सीखने में उनकी प्रगति में कितनी अच्छी तरह मदद कर सकते हैं।

याद रखें कि प्रश्न यह जानने के लिए नहीं पूछे जाते कि शिक्षक क्या जानते हैं, बल्कि वे यह जानने के लिए पूछे जाते हैं कि विद्यार्थी क्या जानते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आपको कभी भी अपने खुद के प्रश्नों का जवाब नहीं देना चाहिए! आखिरकार यदि विद्यार्थियों को यह पता ही हो कि वे आगे कुछ सेकंड तक चुप रहते हैं, तो आप खुद ही उत्तर दे देंगे, तो फिर उन्हें उत्तर देने का प्रोत्साहन कैसे मिलेगा?

संसाधन 5: शब्दावली लॉग्स के उदाहरण

Captious: tending to find fault or raise petty objections, for example: a captious teacher

It's formal ...

Noun: captiousness; adverb: captiously

(Am I a captious teacher?)

Pinnacle: example sentence from report is 'But ask most fans and professional players and they will still tell you that Test cricket remains the pinnacle.'

Pinnacle = the top; the highest point

Pronunciation: first syllable is stressed

Can also be a high-pointed piece of rock or architecture (for example the top of a mountain or building):

चित्र **R5.1** 'captious' शब्द के बारे में शब्दावली लॉग का एक उदाहरण।

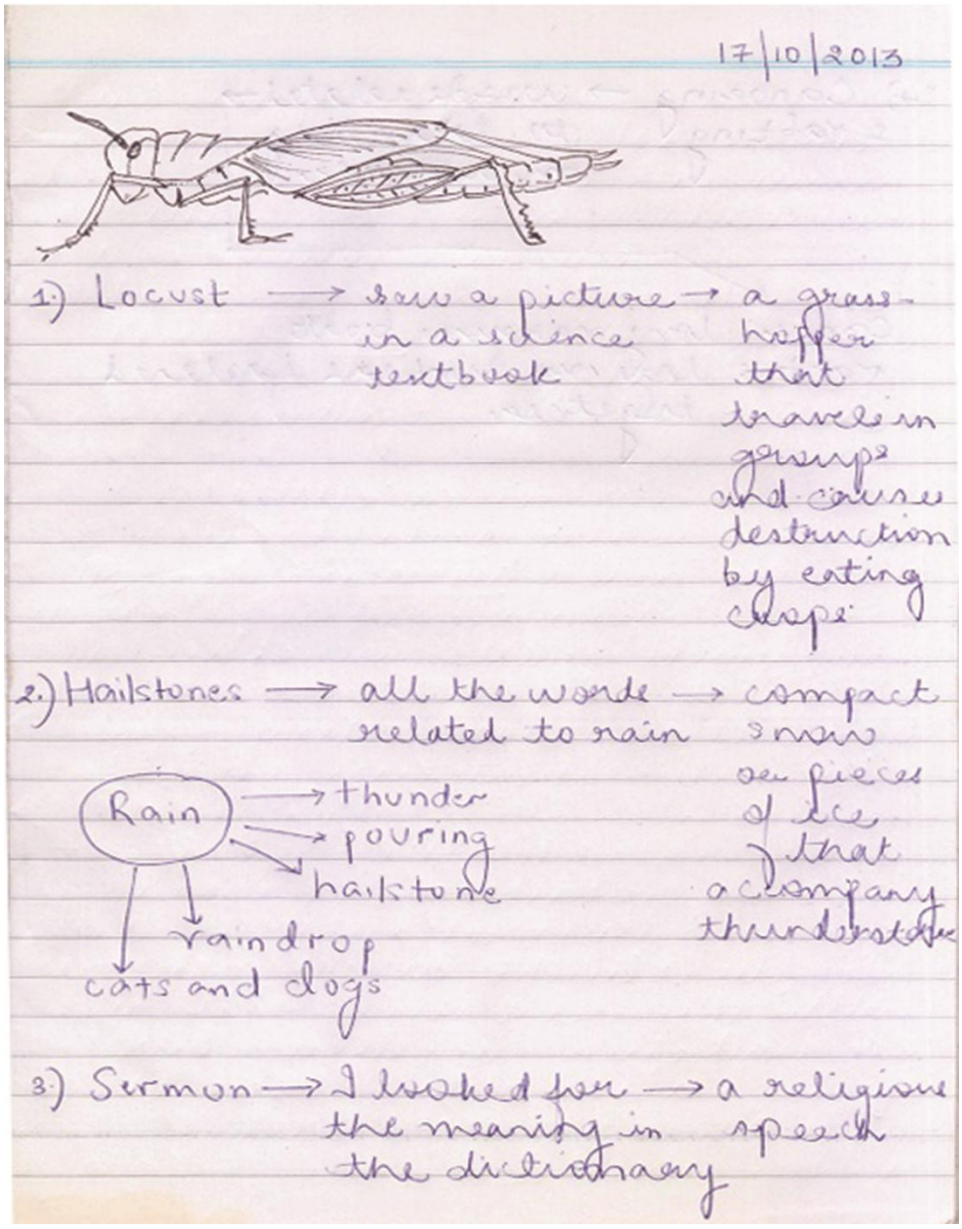


चित्र **R5.2a** एक विद्यार्थी की नोटबुक के शब्दावली लॉग का एक उदाहरण (पहला पृष्ठ)।

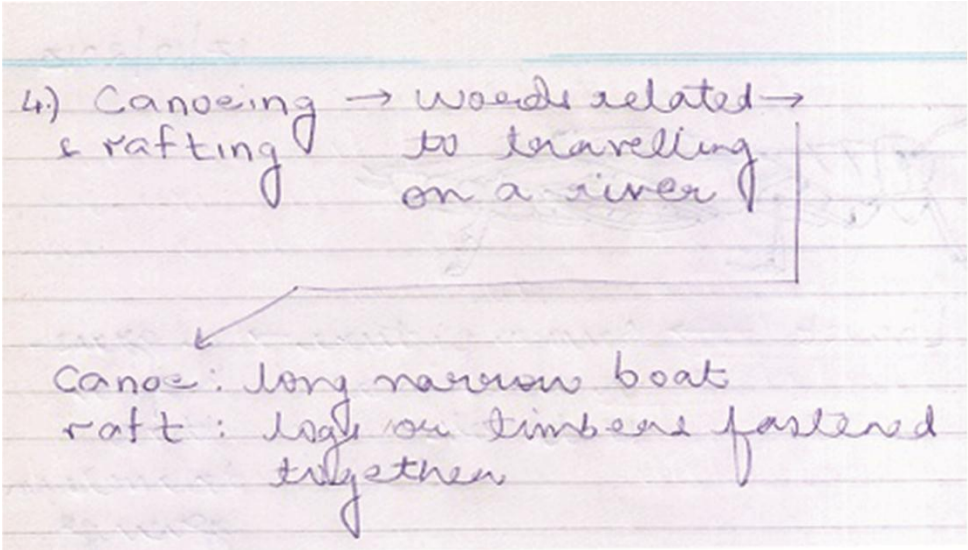


चित्र **R5.2b** एक विद्यार्थी की नोटबुक के शब्दावली लॉग का एक उदाहरण (दूसरा पृष्ठ)।

अतिरिक्त संसाधन

Some articles and activities about vocabulary:

- 'Vocabulary teaching: effective methodologies' by Naveen Kumar Mehta: http://iteslj.org/Techniques/Mehta-Vocabulary.html
- 'Strategies for vocabulary development' by Kate Kinsella, Colleen Shea Stump and Kevin Feldman: http://www.phschool.com/eteach/language_arts/2002_03/essay.html
- Articles on vocabulary: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/vocabulary
- Vocabulary activities: http://www.teachingenglish.org.uk/search/apachesolr_search/vocabulary%20activities

Some online dictionaries:

- Collins – English for Learners: http://www.collinsdictionary.com/dictionary/english-cobuild-learners
- Cambridge Dictionaries Online: http://dictionary.cambridge.org/
- Oxford Dictionaries: http://www.oxforddictionaries.com/

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Fawcett, A.J. and Nicolson, R.I. (1991) 'Vocabulary training for children with dyslexia', *Journal of Learning Disabilities*, vol. 24, no. 6, pp. 379–83.

Gupta, S.P. (ed.) (2012) *English (A Textbook for Class X)*, revised edition (revised by K.D. Upadhyay).Noida: Banwari Lal Kaka & Sons (Publishers).

Collins COBUILD (2009) *Collins COBUILD Learner's Illustrated Dictionary*. London: Collins.

Hastings, S. (2003) 'Questioning', *TES Newspaper*, 4 July. Available from: http://www.tes.co.uk/article.aspx?storycode=381755 (accessed 22 September 2014).

Hattie, J. (2012) *Visible Learning for Teachers: Maximising the Impact on Learning*. Abingdon: Routledge.

Kinsella, K., Stump, C.S., Feldman, K. (undated) 'Strategies for vocabulary development' (online), Prentice Hall eTeach. Available from: http://www.phschool.com/eteach/language_arts/2002_03/essay.html (accessed 29 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Honeydew: Textbook in English for Class VIII*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/ncerts/textbook/textbook.htm?hehd1=0-10 (accessed 29 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006b) *Position Paper: National Focus Group on Teaching of English.* National Council of Educational Research and Training.

Snow, C.E., Cancina, H., DeTemple, J. and Sehley, S. (1991) 'Giving formal definitions: a linguistic or metalinguistic skill?' in Bialystok, E. (ed.) *Language Processing in Bilingual Children*. Cambridge: Cambridge University Press.

## अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के प्रयोग को वर्जित करता है, जिनका प्रयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।